26 January 2023 Par Hindi Bhashan

आदरणीय प्रधानाचार्य जी, मेरे सभी शिक्षक गण एवं मेरे सभी सहपाठियों का आज गणतंत्र दिवस पर मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं/ करती हूं। मुझे ज्ञात है कि मेरे देश ने 26 जनवरी 2050 को ऐतिहासिक पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में देश का गौरव कहे जाने वाले संविधान को लागू किया था। आज पूरा देश 26 जनवरी 2023 को 73 वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। इस दिन मैं आप सभी के साथ भारत के वीर सपूतों को, मेरे देश की सैन्य शक्ति को, मेरे देश की संस्कृति को, मेरे देश की अखंडता को, मेरे देश की संप्रभुता को, मेरे देश के सभी धर्मों को, मेरे देश के सभी देशवासियों को संबोधन करना चाहता हूं/ करना चाहती हूं।

Republic Day Speech Hindi

26 जनवरी 1950 को भारत ने अंग्रेजों के बनाए गए अधिनियम एक्ट को भारतीय जनता के लिए स्वीकार किया। अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून को भारत की जनता पर थोपा गया था। इसी अधिनियम के चलते भारत काफी वर्षों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़ा रहा। परंतु देश को यह आगे तक मंजूर नहीं था। 1947 में मेरा देश अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ और देश के तत्कालीन महामहिम पद पर आसीन डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद, के साथ साथ पंडित जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जैसे महान देशभक्तों ने सदस्यता घटित कर भारत के संविधान को लागू करने पर मंथन किया।

9 दिसंबर 1947 की हुई सभा में निर्णय लिया गया कि जल्द ही देश में खुद का संविधान लागू होना चाहिए। भारत में संविधान लिखने की जिम्मेदारी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को सौंपी गई। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने अथक प्रयासों से 2 वर्ष 11 महीने एवं 18 दिन की लगातार मेहनत के बाद भारत का स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला संविधान निर्मित कर दिया। इसी सविंधान को 26 जनवरी 1950 को देशहित में लागू किया गया।

26 January 2023 Speech in Hindi

26 जनवरी 1950 रिपब्लिक डे (On 26 January 1950 Republic Day) के दिन लॉर्ड माउंटबेटन (गवर्नर जनरल) के स्थान पर डॉ राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया। भारत में इस दिन को बड़े गौरव के साथ याद किया जाता है और हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। भारत की तीनों सेनाओं (जल सेना थल सेना तथा नभ सेना) राष्ट्रपति को सलामी देती है। इस दिन देश के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री लाल किले पर झंडा रोहण करते हैं।

देश के प्रधानमंत्री द्वारा सभी देशवासियों को संबोधित किया जाता है। इसी के साथ भारत के प्रधानमंत्री द्वारा देश को नई ऊर्जा संचरण करने का आह्वान किया जाता है। इसी के साथ देश के किसानों, व्यापारियों, कर्मचारियों, युवाओं, नारी शक्ति, बुजुर्गों, एवं विद्यार्थियों को संबोधित कर देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए धन्यवाद करते हैं। भारत एक ऐसा राष्ट्र है जहां पर एकता में अखंडता का संदेश भरपूर मात्रा में दिखाई देता है। आज भारत में एक धर्म नहीं बल्कि अनेकों धर्म की पूजा की जाती है। सभी धर्म अपने अपने विधि के अनुसार राष्ट्र की सेवा सुरक्षा एवं अखंडता के प्रति कर्मठ एवं सजक है।

मेरे देश पर किसी प्रकार की कोई आंच आए या मेरे देश की सुरक्षा को किसी प्रकार का कोई भी खतरा हो, तो मेरे देश के सभी धर्म एवं सभी वर्ग के लोग एक जगह खड़े रहकर देश की एकता एवं अखंडता का परिचय देते है। मेरे देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोग एक जुट होकर देश पर आए संकट को दूर करने में कतई नहीं

कतराते। कहने में तो भारत को हिंदुस्तान भी कहा जाता है। यही हिंदुस्तान सभी धर्मों की शक्ति से मिलकर बनता है। सभी धर्म एवं सभी जाति के लोग देश की एकता एवं संविधान को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।